No. of Printed Pages : 6 **BSKG–173**

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

(बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एस.के.जी.–173 : आधार संस्कृत

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। तीनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड–क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×10=30

   (i) संस्कृत कारकों के अनुसार विभक्ति-प्रयोग का वर्णन कीजिए।

(ii) स्त्रीलिंग शब्दों का परिचय देते हुए **पाँच** स्त्रीलिंग शब्दों को लिखिए।

(iii) लकार तथा काल से क्या अभिप्राय है ?

(iv) संस्कृत वाच्य–परिवर्तन की विधि लिखिए।

खण्ड–ख

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित विकल्प का चयन कीजिए : 10

(i) बालकः .... गच्छति।

(बसयानेन/बसयानाय/बसयानस्य)

(ii) .... गङ्गा प्रभवति।

(हिमायलये/हिमालयात्/हिमालयम्)

(iii) सर्वे जनाः .... निवसन्ति।

(जगति/जगते/जगत्)

(iv) .... मोदकं खादति ? (केन/कस्मै/कः)

(v) अहं .... पुस्तकं ददामि।

(बालिकायै/बालिकाः/बालिका)

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** शब्दों के विभक्ति एवं वचन लिखिए : 10

रामेण, राज्ञा, धनस्य, कस्याः, वाचि, हे देवि!, त्वाम्, कस्मै

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** धातुओं के निर्देशानुसार रूप लिखिए : 10

(i) कृ धातु – लोट् लकार

(ii) ज्ञा धातु – लङ् लकार

(iii) सेव् धातु – लट् लकार

(iv) लभ् धातु – लृट् लकार

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों का वाच्य-परिवर्तन कीजिए : 4

(i) सा पुस्तकं पठति।

(ii) अहं लेखं लिखामि।

(iii) त्वं जलं पिबसि।

(iv) रामः वनं गच्छति।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** धातुओं के निर्देशानुसार प्रत्यय के रूप लिखिए : 6

(i) कृ धातु – क्त प्रत्यय, पुल्लिंग

(ii) पठ् धातु – क्तवतु प्रत्यय, स्त्रीलिंग

(iii) चल् धातु – क्त्वा प्रत्यय

(iv) लिख् धातु – तुमुन् प्रत्यय

(v) हन् धातु – क्त्वा प्रत्यय

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पदों की नामोल्लेखपूर्वक सन्धि कीजिए : 10

(i) दक्षिण + अयन

(ii) सु + आगत

(iii) ज्ञान + उपदेश

(iv) पितृ + अत्र

(v) कवि + ए

(vi) कवे + ए

खण्ड–ग

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों की व्याख्या कीजिए : 15

(i) मय्यावेश्य मनो ये मां नित्ययुक्ता उपासते।

श्रद्धया परयोपेतास्ते मे युक्ततमा मताः।।

(ii) <u>तेषामहं</u> समुद्धर्ता मृत्युसंसारसागरात्।

<u>भवामि</u> न चिरात्पार्थ मय्यावेशितचेतसाम्।।

(iii) श्रेयो हि <u>ज्ञानमभ्यासात्</u> ज्ञानात् ध्यानं विशिष्यते।

<u>ध्यानात्</u> कर्मफलत्यागः त्यागाच्छान्तिरनन्तरम्।।

9. प्रश्न संख्या **8** के श्लोकों में रेखांकित **दो** पदों की विभक्ति/सन्धि/प्रत्यय आदि व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। 5

× × × × × × ×